

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 16, भाग 3

1 राजा 21-22, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

अगर आपके पास बाइबल है, तो आप आयत 51, 52 और 53 देख सकते हैं, जो हमें अहाब के उत्तराधिकारी, अहज्याह से परिचित कराते हैं। लेकिन इसके बारे में और कुछ नहीं कहा गया है। मैं अगली बार इसके बारे में थोड़ा और बताऊँगा।

लेकिन यह इस बात का सबसे अच्छा सबूत है कि दोनों किताबें एक ही किताब हैं। क्योंकि हम यहाँ अहाज की कहानी पहली किताब में शुरू करते हैं, लेकिन इसे खत्म करने के लिए हमें दूसरी किताब में जाना पड़ता है। तो, हम अहाब की मौत के बारे में बात करने जा रहे हैं।

फिर, हम आयत 41 से 50 में यहोशापात के शासनकाल का उल्लेख करते हैं। इसलिए वे युद्ध के लिए निकल पड़ते हैं। अब, यहाँ फिर से, मैं बस यही सोचता हूँ, ओह, प्रिय।

जाहिर है, अहाब मीकायाह के शब्दों से परेशान हो गया है। और इसलिए वह कहता है, देखो, यहोशापात, तुम आगे बढ़कर अपने शाही वस्त्र क्यों नहीं पहन लेते? और मैं बस एक विनम्र सैनिक की तरह कपड़े पहनने जा रहा हूँ। और यहोशापात कहता है, क्षमा करें अगर मैं मज़ाक कर रहा हूँ, लेकिन, जी, यह एक अच्छा विचार है।

हाँ, मुझे लगता है कि मैं अपने शाही वस्त्र पहनूँगा। और इसलिए, सीरियाई, सैनिकों को बताया गया है कि हमें अहाब को पकड़ना है। इस्राएल के राजा को पकड़ो, राजा को पकड़ो, उसका सिर काट दो, और सब कुछ ठीक हो जाएगा।

इसलिए किसी और के पीछे मत जाओ। इस्राएल के राजा के पीछे जाओ। यह हमें फिर से बताता है कि अहाब कोई साधारण व्यक्ति नहीं था।

वह था। करीब 20 साल तक शासन करने के बाद, वह एक योग्य राजा था। और इसलिए वे इस आदमी को शाही वस्त्र पहने हुए देखते हैं।

ओह, वह वहाँ जा रहा है। जाओ, जाओ, जाओ, जाओ, जाओ। और फिर हमें बताया गया कि यहोशापात चिल्लाया।

और उन्होंने कहा, ओह, यह इस्राएल का राजा नहीं है, और उसका पीछा करना बंद कर दिया। कितना दिलचस्प है। उसने क्या चिल्लाया? मुझे आश्चर्य है कि क्या उसने चिल्लाकर कहा था, मदद करो।

मुझे नहीं पता। या शायद उसने चिल्लाकर कहा, मैं यहूदा का राजा हूँ। हमें नहीं पता।

लेकिन उन्होंने कहा, ओह, यह तो सिर्फ़ यहोशापात है। इसे भूल जाओ। फिर से, बेचारे यहोशापात का यहाँ भी कोई खास असर नहीं हुआ।

और फिर यह अद्भुत, अद्भुत पंक्ति। लेकिन किसी ने, यह श्लोक 34 है, किसी ने अपना धनुष बेतरतीब ढंग से खींचा। और यह इस्राएल के राजा के कवच के बीच में जा लगा।

बस संयोगवश। बाइबल में तीन या चार जगहें ऐसी हैं जहाँ हमें स्पष्ट रूप से समझना चाहिए कि यह ईश्वर की कृपा है। लेकिन फिर भी, यह बस हो गया।

ऐसा ही हुआ। दोस्तों, कुछ भी यँही नहीं होता। अब, जाहिर है, अहाब ने कवच पहना हुआ था।

आम तौर पर, उनकी पीठ पर कोई कवच नहीं होता था। यह सिर्फ़ छाती की पट्टी थी जो उनकी पीठ के चारों ओर बंधी हुई थी। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने चेन मेल भी पहना हुआ था।

चेन मेल आगे और पीछे दोनों तरफ से कवर करता है। लेकिन बांह के नीचे, इसमें एक जोड़ होता है जहाँ आगे और पीछे का हिस्सा एक साथ आता है, और उन्हें आमतौर पर किसी तरह से क्लिप किया जाता था।

लेकिन फिर भी एक जगह है। तो, ऐसा लगता है कि शायद उसका हाथ भाला फेंकने के लिए उठा हुआ है। और वह तीर एक जगह पर आ जाता है।

एक जगह जहाँ वह सुरक्षित नहीं है। अरे दोस्तों, भगवान से लड़ाई मत करो। भगवान से लड़ाई मत करो।

ऐसी कोई जगह नहीं है जहाँ तुम सुरक्षित रह सको। कोई ऐसी जगह नहीं जहाँ तुम छिप सको। उसके साथ जाओ।

उसके पक्ष में जाओ, उसके खिलाफ नहीं। अब, यहाँ अहाब की जो तस्वीर है, वह फिर से एक अनुकूल तस्वीर है। मुझे लगता है कि वह जानता है कि वह मर चुका है।

लेकिन वह कहता है, मुझे युद्ध से बाहर निकालो। अब, फिर से, वह बिल्कुल एक सैनिक की तरह दिखता है। सीरियाई लोगों को नहीं पता कि उन्होंने क्या किया है।

मुझे युद्ध से बाहर निकालो। पूरे दिन युद्ध चलता रहा और राजा अपने रथ में अरामियों के सामने खड़ा था। बाकी इस्राएली सैनिक जानते थे कि वह कौन है।

हो सकता है कि वह शाही गुलाब की पोशाक में न हो, लेकिन वे जानते थे कि वह कौन है। और वह पहाड़ी पर है। खड़े होकर, वे कहते हैं, ठीक है, ठीक है।

अहाब इस युद्ध का निर्देशन कर रहा है। हम लड़ने जा रहे हैं। अब, मैं फिर से कहता हूँ, यह बाइबल के चिह्नों में से एक है।

एक तरफ, बाइबल अपने नायकों को सफेद नहीं करती। अब्राहम, जो आस्थावान व्यक्ति है, मुश्किल समय में अपनी पत्नी के बारे में झूठ बोलता है। डेविड, जो परमेश्वर के दिल के अनुसार है, वासना के एक भयानक क्षण में, किसी और की पत्नी को ले लेता है।

लेकिन बाइबल अपने विरोधी नायकों को बदनाम नहीं करती। अगर अपने जीवन के आखिरी दिन अहाब ने हिम्मत से खड़े होकर अपनी जान दे दी, तो बाइबल इसकी रिपोर्ट करेगी। अगर अहाब पश्चाताप करता है, तो बाइबल इसकी रिपोर्ट करेगी।

क्यों? क्योंकि बाइबल इस्राएलियों का प्रचार नहीं है। आप इसे इन दिनों विद्वानों के लेखों में बार-बार देखते हैं। अरे हाँ, बाइबल सिर्फ प्रचार का एक और टुकड़ा है।

यह अच्छी तरह से लिखा गया है। यह दिलचस्प है। लेकिन यह सिर्फ इज़राइल को खुश करने के लिए है।

मैं आपसे दृढ़ता से कहता हूँ कि यह बकवास है। बाइबल इस्राएलियों का प्रचार नहीं है। बेशक, बेशक, यह पवित्र आत्मा की प्रेरणा से मनुष्यों द्वारा लिखी गई है।

और यह विभिन्न मानवीय कमज़ोरियों को दर्शाने वाला है। लेकिन फिर भी यह वही कहेगा जो परमेश्वर कहना चाहता है। और वह यहाँ जो कहना चाहता है वह यह है कि, हाँ, अहाब ने शायद बहुत ही भयानक चुनाव किए होंगे।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह बिल्कुल ही निराशाजनक, सड़ा हुआ, गंदा प्राणी था। नहीं। और इसलिए, दिन के अंत में, वह मर जाता है और सेना ढह जाती है जैसा कि मीकायाह ने देखा था।

यह पुकार पूरी सेना में फैल गई। हर आदमी अपने-अपने तंबू में चला गया। हर आदमी अपनी-अपनी ज़मीन पर चला गया।

जाओ। बिल्कुल। मैंने इस्राएल को पहाड़ों पर बिखरी हुई भेड़ों के रूप में देखा।

कोई चरवाहा नहीं था। इसलिए वह मर गया, और उसे सामरिया लाया गया, और उन्होंने उसे वहीं दफना दिया। उन्होंने सामरिया के एक तालाब में रथ को धोया जहाँ वेश्याएँ नहाती थीं।

अब, हम नहीं जानते। जहाँ तक हम जानते हैं, वेश्यावृत्ति, जैसा कि भारत में था, एक मंदिर व्यवसाय था। आपके पास सिर्फ एक रेड-लाइट एरिया नहीं था जैसा कि हम अपने कुछ महान शहरों में पा सकते हैं।

तो, बहुत संभव है कि यहीं पर बाल पुजारियों ने स्नान किया हो। और यहीं पर उन्होंने अहाब के रथ को धोया था। और कुत्ते खूनी पानी को चाटने के लिए वहाँ मौजूद थे।

भगवान से मत लड़ो। फिर हम यहोशापात पर आते हैं। मैंने पहले भी आपसे कहा है कि यह फिर से, यह इज़राइल और यहूदा का इतिहास नहीं है जहाँ हमें सभी घटनाओं का समान कवरेज मिलता है, सभी कहानियाँ बताने की कोशिश की जाती है।

नहीं, यह बहुत ही चयनात्मक है। इस समय, मुख्य ध्यान उत्तरी राज्य पर है। यहीं पर बाल और यहोवा के बीच संघर्ष हो रहा है।

यहीं पर एलिय्याह और एलीशा की सेवकाई पूरी तरह से प्रवाहित होती है। इसलिए, हालाँकि यहोशापात ने 25 साल तक शासन किया, जितने समय तक अहाब ने किया, हमें उसके बारे में केवल ये कुछ आयतें ही मिलती हैं क्योंकि यह कहानी की कुंजी नहीं है। अब, इतिहास में, यहोशापात को बहुत अधिक उपचार मिलने वाला है क्योंकि इतिहास समुदाय के आध्यात्मिक जीवन और आध्यात्मिक जीवन, पूजा, मंदिर की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक राजा ने क्या किया, में रुचि रखता है।

तो, इतिहास में इस बारे में बहुत कुछ बताया गया है। लेकिन जहाँ तक बाल और यहोवा के बीच संघर्ष की बात है, यहोशापात, दुर्भाग्य से, उतना महत्वपूर्ण नहीं था। वह एक अच्छा आदमी था।

उसने वास्तव में यहोवा के मार्ग पर अपने राज्य का नेतृत्व करने की कोशिश की। लेकिन, संघर्ष के संदर्भ में, उसकी बहू अहाब की बेटी थी। इसलिए, राजा ने उसे अपेक्षाकृत कम महत्व दिया है।

अब, मैं चाहता हूँ कि आप श्लोक 43 पर ध्यान दें। अब, अपनी उंगली वहीं रखें और अध्याय 15 पर वापस जाएँ। अध्याय 15, श्लोक 11।

और ध्यान दें कि आसा के बारे में क्या कहा गया है। आसा ने वही किया जो यहोवा की नज़र में सही था, जैसा उसके पिता दाऊद ने किया था। दोनों अंशों में क्या अंतर है? आसा ने खुद को दाऊद के मापदंड से मापा।

यहोशापात ने खुद को आसा के मानक से मापा। फिर से, मुझे नहीं लगता कि यह संयोगवश हुआ है। सालों पहले, मैंने एक बुकशेल्फ़ बनाई थी।

मैंने बहुत ही सावधानी से अलमारियों को नापा। मैंने पहली वाली को नापा। मैं इसे 16 इंच तक सही से माप पाया।

फिर, मैंने इसका इस्तेमाल दूसरी शेल्फ़ को चिह्नित करने के लिए किया। और मैंने दूसरी शेल्फ़ को तीसरी शेल्फ़ को चिह्नित करने के लिए इस्तेमाल किया। और मैंने तीसरी शेल्फ़ को चौथी शेल्फ़ को चिह्नित करने के लिए इस्तेमाल किया।

आप जानते हैं कि यह कहाँ जा रहा है। वह चौथा शेल्फ़ पहले वाले से एक चौथाई इंच छोटा था। मैं आरी के कट के लिए जगह बनाना भूल गया था, आरी ब्लेड से कटी हुई लकड़ी की मात्रा।

आसा ने खुद को दाऊद के मानक से मापा। आसा एक अच्छा इंसान था। अब फिर से, इतिहास हमें बताने जा रहा है कि अपने जीवन के अंत में, वह इतना अच्छा नहीं था।

लेकिन कुल मिलाकर, वह एक ऐसा आदमी था जिसका दिल भगवान के लिए था। कोई अगर, कोई और, कोई मगर नहीं। अच्छा आदमी।

अच्छा आदमी। और यहोशापात ने खुद को अपने पिता के हिसाब से नापा। क्या आसा दाऊद से 16 इंच दूर था? मुझे लगता है कि यही बात है।

मुझे लगता है कि यही बात है। आपको मानक पर वापस जाना होगा। आपके और मेरे लिए मानक कौन है? वह यीशु है।

तुम अपने आप को मुझसे नापने की हिम्मत मत करो। तुम अपने आप को उस व्यक्ति से नापने की हिम्मत मत करो जिसने तुम्हें मसीह तक पहुँचाया। इन दिनों, हमारे दिल टूट गए हैं क्योंकि हमने महान ईसाई नेताओं के बारे में सुना है जो विशेष व्यभिचार में गिर गए हैं।

और हम टूट गए हैं। और हमने कहा है, हे भगवान। इसके अलावा, जब मैं उन कहानियों को सुनता हूँ, तो मैं बिली ग्राहम को धन्यवाद देता हूँ, जो अंत तक सच्चे रहे।

इसके लिए भगवान का शुक्रिया। लेकिन खुद को बिली ग्राहम से मत मापो। हिम्मत मत करो।

अपने आप को एकमात्र मानक, यीशु मसीह से मापें। वह वही है जिससे हमें अपनी तुलना करनी चाहिए। इस कहानी में बहुत कुछ ऐसा है जो इन चंद आयतों में दिलचस्प है।

आयत 44 पर गौर करें। यहोशापात भी इस्राएल के राजा के साथ शांति से था। हाँ, हाँ।

अरे हाँ। क्या आपके जीवन में भी ऐसी छोटी-छोटी बातें हैं? अरे हाँ। उसने भी मॉल में बहुत समय बिताया है।

ओह हाँ। उसने लॉटरी पर बहुत सारा पैसा बर्बाद किया। ओह हाँ।

नहीं, मुझे कोई अलग बात नहीं चाहिए। यह सब उसके लिए है।

अब, यहोशापात की कहानी का निष्कर्ष दिलचस्प है क्योंकि यह पैटर्न का पूरी तरह से पालन नहीं करता है। श्लोक 45 को देखें। जहाँ तक यहोशापात के शासनकाल की अन्य घटनाओं का सवाल है, उसने जो कुछ हासिल किया, उसके सैन्य कारनामे, क्या वे यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं? हाँ, सुलैमान के बाद हर राजा के लिए समापन सूत्र इसी तरह से शुरू होता है।

फिर, आम तौर पर, यह श्लोक 50 में जो कुछ है उसके साथ आगे बढ़ता है। फिर यहोशापात अपने पूर्वजों के साथ सो गया और उसे उसके पिता दाऊद के शहर में उनके साथ दफनाया

गया, और उसके बेटे योराम ने राजा के रूप में उसका स्थान लिया। ये दोनों श्लोक आम तौर पर एक साथ चलते हैं।

और अगर आप उदाहरण के लिए, अहाब के अंत में देखें, तो अध्याय 22 के श्लोक 39 और 40 को देखें। अहाब के शासनकाल की अन्य घटनाओं के लिए, जिसमें उसने जो कुछ किया, हाथीदांत से सजा हुआ महल और उसने जो शहर बनाए, क्या वे इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं? अहाब अपने पूर्वजों के साथ सो गया और उसका बेटा अहज्याह उसके बाद राजा बना। यह सामान्य पैटर्न है।

यहाँ यहोशापात में, सामान्य पैटर्न टूट गया है। और एक बार फिर, आप कहते हैं, ठीक है, ठीक है, ओसवाल्ड, हमें स्पष्टीकरण दें। मैं नहीं कर सकता।

लेकिन मैं आपसे सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि बाइबल अध्ययन के दौरान उन चीजों के प्रति सचेत रहें जो पैटर्न को तोड़ती हैं। क्योंकि अगर ऐसा होता है, तो मुझे लगता है कि हम कह सकते हैं कि लेखक किसी बात की ओर ध्यान आकर्षित कर रहा है। वह एक बात कह रहा है।

तो, यहाँ मुद्दा क्या है? श्लोक 45 और 50 के बीच हमें क्या मिलता है? उसने देश को उन पुरुष वेश्याओं से मुक्त कर दिया जो उसके पिता आसा के शासनकाल के बाद भी वहाँ रह गए थे। एदोम में कोई राजा नहीं था। एक प्रांतीय गवर्नर शासन करता था।

यह दूसरी पुस्तक के तीसरे अध्याय में महत्वपूर्ण होने जा रहा है। अब, यहोशापात ने सोने के लिए ओपीर जाने के लिए व्यापारिक जहाजों का एक बेड़ा बनाया, लेकिन वे कभी रवाना नहीं हुए। वे एज़े और गेबर में बर्बाद हो गए।

उस समय अहाब के पुत्र अहज्याह ने यहोशापात से कहा, " मेरे लोगों को अपने लोगों के साथ जाने दे ।" परन्तु यहोशापात ने इनकार कर दिया। वास्तव में तीन बातें कही गईं।

पहला, उसने अपने पिता का काम पूरा किया। उसके लिए अच्छा है। वह एदोम का शासक था।

वहाँ एक प्रांतीय गवर्नर था। उसने व्यापारिक जहाजों का एक बेड़ा बनाया, एक तरह से खुद को सुलैमान के मॉडल पर खड़ा किया, लेकिन वे बर्बाद हो गए। और अहज्याह ने यह कहा।

अब, अगर आप इतिहास को देखें, तो इतिहास हमें बताता है कि, वास्तव में, अहज्याह ने उन जहाजों को बनाने में यहोशापात की मदद की थी। और अंत में, यहाँ मुद्दा यह है। यहोशापात ने कहा, एक मिनट रुको।

ठीक है, आपने उन्हें बनाने में मेरी मदद की, लेकिन आपके लोग उन्हें चलाने में मेरी मदद नहीं करेंगे। और वे बर्बाद हो गए। मुझे लगता है कि हम यहाँ फिर से यही दोहरी मानसिकता देख रहे हैं।

उसने कुछ बहुत अच्छे काम किए, लेकिन वह दुश्मन के साथ खेल रहा था। और अंत में, जब वह कहता है, ठीक है, दुश्मन, अब तक और आगे नहीं, तब भी यह काम नहीं करता। आध्यात्मिक रूप से संवेदनशील, ईश्वर के मार्ग की चाहत रखने वाला।

साथ ही, मैं दोनों खेमों में एक पैर रखने की कोशिश कर रहा था। आप ऐसा नहीं कर सकते। आप कहते हैं, ठीक है, नहीं, एक मिनट रुको।

मैं कोई उपदेशक नहीं हूँ। मैं कोई प्रचारक नहीं हूँ। मैं कोई मिशनरी नहीं हूँ।

मैं एक साधारण ईसाई हूँ। हाँ। हाँ।

साधारण ईसाई। आपको परमेश्वर के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप अनिवार्य रूप से प्रचारक बन जाएंगे।

इसका मतलब यह नहीं है कि आप मिशनरी या प्रचारक बन जाएंगे। नहीं, नहीं। हम यहीं गलती करते हैं।

खैर, अगर मैं वास्तव में भगवान के लिए खुद को बेचना चाहता हूँ, तो मुझे एक पेशेवर ईसाई बनना होगा। नहीं, नहीं। अगर आप वास्तव में भगवान के लिए खुद को बेचना चाहते हैं, तो आप दुकान में, घर में, खेत में, सड़क पर एक सच्चे ईसाई होंगे।

दोनों खेमों में एक पैर रखने की कोशिश मत करो। अपने दोनों पैर यीशु पर रखो, उसके लिए जियो, और पाओ कि तुम क्या बनने के लिए बने हो। भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें।